30/7/19 पत्रावली प्रस्तुत। प्रार्थीगणो का मूल वाद खारिज किया जा चुका है अतः प्रार्थीगणो का प्रार्थना-पत्र खारिज किया जाता है। पत्रावली तदनुसार फैसल शुमार होकर बादतकमील नम्बर व कम होकर मूल वाद के साथ संलग्न की जावे।

निर्णय सुनाया गया।

(मोनिका बनारा)